युवा पर्यटन क्लब

स्कूलों के लिए पुस्तिका (हैंडबुक)

भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा 'युवा पर्यटन' के तहत।

अप्रैल, 2022

विषय सूची

1.	दृष्टिकोण और उद्देश्य	
2.	पर्यटन क्लब	
3.	क्लब की स्थापना	
4.	क्लब की गतिविधियां	
5.	संगठन संरचना	
	क. प्रस्तावित पदाधिकारी	
	ख. भूमिकाएं और दायित्व	
	• स्कूल शिक्षक समन्वयक	
	• बारहवीं कक्षा का छात्र निकाय	
	• छात्र प्रमुख	
	• कोषाध्यक्ष	
	• कार्यकारी सदस्य	
2.	क्लब का संचालन	
	क. अनिवार्य बैठकें	
	ख. रिपोर्ट करना	
3.	क्लब के लिए सुझाई गई गतिविधियां	
4.	दिशानिर्देश	

दृष्टिकोण और उद्देश्य :

विश्व के युवा जनसांख्यिकीय का पांचवां हिस्सा भारत के युवाओं का है। 29 वर्ष की औसत आयु के साथ, भारत विश्व स्तर पर सबसे कम उम्र की आबादी में से एक है। देश के युवाओं को नवाचार, उद्यमिता और समावेशिता की संस्कृति के निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इस युवा जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के लिए, युवाओं को सीखने और अन्वेषण की ओर शिक्षित और उन्मुख करना आवश्यक है। पर्यटन, भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जानने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है।

अधिक डिजिटल और आभासी होने वाली दुनिया में, पर्यटन शिक्षार्थियों को उनकी जागरूकता बढ़ाने और एक व्यापक परिप्रेक्ष्य विकसित करने की संभावना प्रदान करता है। पर्यटन युवाओं को उनकी विरासत की खोज करने में भी मदद करता है जो स्वयं उनको और उनकी सांस्कृतिक जड़ों की गहरी समझ को सक्षम बनाता है।

पर्यटन क्लब इसी दिशा में एक कदम है।

दृष्टिकोण :

इसका दृष्टिकोण भारतीय पर्यटन के युवा राजदूतों का संपोषण और विकास करना है, जो विचार, शब्द और कार्य के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देंगे। उन आदर्शों को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जो सतत विकास के अनुरूप हों।

उद्देश्य :

पर्यटन क्लब देश में जिम्मेदार और सतत पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि इसका उद्देश्य कल के नागरिकों को जमीनी स्तर पर शिक्षित करना है। पर्यटन आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों से संबंधित विषयों की समझ विकसित करने में मदद करता है जो इसके नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रस्तावित मिशन के प्रमुख उद्देश्य हैं:

- शिक्षार्थियों को यात्रा और पर्यटन के महत्व की सराहना करने में सक्षम बनाना,
- शिक्षार्थियों में पर्यटन और इसके महत्व के प्रति जुनून जगृत करना,
- हमारे गांवों, कस्बों, शहरों और राज्यों में मौजूद समृद्ध प्राकृतिक और सांस्कृतिक यात्रा विरासत के बारे में शिक्षार्थियों को शिक्षित करना,
- यात्रा के विभिन्न तत्वों के प्रति शिक्षार्थियों को संवेदनशील बनाना,
- जिम्मेदार पर्यटन कार्यकलापों को प्रोत्साहित करना, सिखाना और प्रचारित करना,
- खोजपूर्ण, साहसिक और खेल पर्यटन के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करना, और
- प्रारंभिक चरण में पर्यटन के अवसरों के बारे में जागरूकता पैदा करना और शिक्षार्थियों को आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र में कुशल पेशेवर और उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित करना ।

पर्यटन क्लब :

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई') स्कूलों में विभिन्न सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों के माध्यम से विरासत शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करता है जो शिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास में एक प्रमुख भूमिका निभाता है।

विभिन्न गतिविधियों के संचालन के लिए भारत के विभिन्न स्कूलों में अलग-अलग रूपों में क्लब गठित किए जाते हैं। शिक्षार्थी अपनी रुचि और कौशल के क्षेत्रों में काम करते हैं और खुद को शामिल करते हैं। इस प्रकार, क्लब शिक्षार्थियों को टीम वर्क, प्रबंधन, नेतृत्व और सेवा जैसे महत्वपूर्ण कौशल हासिल करने में सक्षम बनाते हैं।

इस संबंध में पर्यटन क्लब भी बहुत समान हैं।

विरासत शिक्षा के तहत स्कूलों द्वारा की जाने वाली गतिविधियाँ स्थानीय इतिहास, कला आदि से जुड़ी हुई हैं। पर्यटन कई मायनों में विरासत शिक्षा के आदर्शों के संचार का दूसरा माध्यम है। इस प्रकार, पर्यटन क्लब सीबीएसई स्कूलों के विरासत शिक्षा प्रयासों के साथ आसानी से एकीकृत हो जाते हैं।

पर्यटन पर ध्यान और पर्यटन क्लबों की आवश्यकता क्यों ?

अधिकांश विरासत शिक्षा के प्रकार जैसे कि प्राकृतिक विरासत, प्रदर्शन कला, कला और संस्कृति आदि पर्यटन के माध्यम से अभिव्यक्ति पाते हैं। उदाहरण के लिए - ताज महोत्सव - आगरा, उत्तर प्रदेश में एक वार्षिक उत्सव। यह कला रूपों, हस्तशिल्प, नृत्य और संगीत शो, व्यंजनों और अन्य अनुभवों का संगम होता है, जिसके लिए पर्यटक और मेहमान विशेष रूप से इसे देखने आते हैं। ताजमहल - एक निर्मित विरासत स्मारक होने के कारण इस जीवंत उत्सव में भी पर्यटकों के प्रवाह को बढ़ाने में उत्प्रेरक का काम करता है।

इस तरह, हम पर्यटन को एक ऐसे माध्यम के रूप में देखते हैं जिसके माध्यम से कला, शिल्प, स्मारक, विरासत और संस्कृति को अभिव्यक्ति और प्रशंसा मिलती है।

पर्यटन क्लबों का उद्देश्य पर्यटन के इस विशेषता का उपयोग शिक्षार्थियों को मनोरंजक और आकर्षक तरीकों से शिक्षित और सूचित करने के लिए करना है। इस प्रकार यह शिक्षार्थियों को विकसित होने और विविध संस्कृतियों के प्रति संवेदनशील बनने में मदद करता है।

पर्यटन क्लबों को संस्थापित करने का औचित्य :

- स्थानीय क्षेत्रों में और उसके आसपास पर्यटन को बढ़ावा देने की आवश्यकता,
- ऐसे नागरिक तैयार करना जो स्थानीय और वैश्विक स्तर पर पर्यटन स्थलों की संभावनाओं से अवगत हों और भविष्य में पर्यटन के चैंपियन बन सकें,
- प्रासंगिक शिक्षा के लिए जगह बनाना,
- जीवन्त स्थलों और घटनाओं के साथ एकीकरण के माध्यम से सामाजिक अध्ययन, इतिहास, भूगोल और भाषा अध्ययन जैसे विषयों के शिक्षण को दिलचस्प बनाना,
- छात्रों को ऐतिहासिकता, भव्यता और सुंदरता में वास्तविक परिवेश की खोज करने का जुनून पैदा करना।

विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियां शिक्षार्थी के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में प्रमुख भूमिका निभाती हैं। पर्यटन क्लबों में शिक्षार्थियों की भागीदारी से आत्म बोधक कौशल को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है और साथ ही शिक्षार्थियों को पर्यटन के लिए अपने आसपास के रुचि और रोमांच के स्थानों को पहचानने में मदद मिलती है।

पर्यटन क्लबों की अनूठी विशेषताएं :

- यह क्लब बड़ी संख्या में छात्रों को आकर्षित करेंगे और उनके लिए खुले रहेंगे क्योंकि क्लब की गतिविधियों और आयोजनों में एक विशेष / सभी आयु वर्ग के छात्र शामिल होंगे, जो यात्रा करना पसंद करते हैं और करना पसंद करेंगे।

- इस क्लब की गतिविधियां अन्य क्लबों की गतिविधियों के साथ एकीकृत होंगी क्योंकि पर्यटन, संस्कृति और विरासत भी स्कूल में पढ़ाए जाने वाले विषयों का हिस्सा हैं। कई हितधारक विभिन्न उद्देश्यों के लिए एक साथ मिल सकते हैं।

    - स्कूल के इवेंट क्लब और पर्यटन क्लब स्कूल के बाहर एक टूर इवेंट या स्कूल के भीतर एक जागरूकता कार्यक्रम की व्यवस्था मिलकर कर सकते हैं।
    - फोटोग्राफी और मीडिया क्लब पर्यटन क्लब के साथ यादगार पलों और कहानियों को कैद करने के लिए मिलकर एक व्यवस्था कर सकते हैं।
    - पर्यावरण और प्रकृति क्लब पर्यटन क्लब द्वारा आयोजित यात्रा पर विभिन्न सबक सीखे गए विचारों और अवधारणाओं के अनुप्रयोग को देख सकते हैं। सतत पर्यटन को बढ़ावा देने का प्रयास हो सकता है।

- किसी स्कूल का पर्यटन क्लब आसपास के स्कूलों के पर्यटन क्लब और उसी जिले के अन्य क्लबों के साथ विशेष अवसरों और आयोजनों के लिए बातचीत कर सकता है। इससे पर्यटन क्लब के सदस्य स्कूल के बाहर और अन्य नए अवसरों और कार्यक्रमों के बारे में जागरूक हो सकेंगे।

क्लब की स्थापना :

इस दृष्टिकोण के अनुरूप, सभी सीबीएसई-संबद्ध स्कूलों को अब अपने-अपने स्कूलों में पर्यटन क्लब स्थापित करने के प्रयास करने चाहिए। पर्यटन क्लबों और स्कूलों के गठन की बुनियादी आवश्यकताएं और किए जाने वाले उपाय नीचे दिए गए हैं :

• स्कूल प्रबंधन को एक शिक्षक या शिक्षकों का चयन करना चाहिए ताकि वे रुचि के अनुसार, उद्देश्य और दृष्टिकोण को संप्रेषित करने, छात्र निकाय का चयन करने आदि जैसे बुनियादी कार्यों का नेतृत्व कर सकें।

• स्कूल प्रबंधन और शिक्षक/शिक्षकों/प्रभारी को क्लब के सदस्यों का एक डेटाबेस तैयार करना होगा, जिसमें छात्र सदस्यों के नाम, कक्षा, संपर्क और भूमिका आदि का विवरण होना चाहिए ।

• कक्षा 7 तक पहुंचने से पहले छात्रों को क्लब और उसकी गतिविधियों के बारे में पर्याप्त जागरूकता और ज्ञान प्रदान किया जाना चाहिए।

• यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी समय क्लब में कम से कम 25 छात्र सदस्य हों।

• स्कूल प्रबंधन और प्रभारी शिक्षक को क्लब में प्रत्येक विशेष वर्ग समूह की भूमिकाओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित करना चाहिए और इसे छात्रों तक पहुंचाने का प्रयास भी करना चाहिए।

• स्कूल प्रबंधन और शिक्षक / प्रभारी को अपने प्रयासों से स्कूल के अन्य विभागों और क्लबों को अवगत कराया जाना चाहिए।

• स्कूल प्रबंधन को पर्यटन क्लब की गतिविधियों के लिए एक विशेष नोटिस बोर्ड या सूचना का चैनल नियत करना चाहिए।

• स्कूल प्रबंधन और शिक्षक/ प्रभारी द्वारा पर्यटन क्लबों के लिए अनुशंसित संगठनात्मक संरचना का पालन करना चाहिए।

क्लब की गतिविधियां :

वर्ग समूह और सदस्यों की भूमिकाओं के अनुसार क्लब के लिए निम्नलिखित गतिविधियां सुझाई गई हैं:

नोट: (चूंकि क्लब की गतिविधियां स्कूल के अंदर और स्कूल के बाहर दोनों के पूरक होने के साथ एक स्वस्थ मिश्रण होंगी, इससे कक्षा सात के बाद से ऐसे शिक्षार्थियों को मदद मिलेगी जिन्हें अपेक्षाकृत कक्षा सात से नीचे के शिक्षार्थियों की तुलना में पुराने छात्रों और शिक्षकों से कम समर्थन और सहायता आवश्यकता होती है।)

सदस्य (कक्षा 7 से 10 तक) :

- भारतीय पर्यटन से जुड़े विषयों और संकेतों के तहत आयोजित साप्ताहिक या पाक्षिक प्रतियोगिताओं जैसे निबंध लेखन, लोगो डिजाइनिंग, प्रश्नोत्तरी, ड्राइंग और पेंटिंग, पोस्टर बनाना, अभिनय और वाद-विवाद आदि में भाग लेना।

- स्कूल समूह के हिस्से के रूप में ऑफ-पीक (जब अधिक कार्य नहीं हो) अवधि के दौरान स्थानों की यात्रा करने के लिए, बदले में स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना। विशिष्ट स्थानों में, सदस्यों को स्थानीय समुदाय के साथ जुड़ने और स्थान के पर्यटन कर्मचारियों और प्रशासन के साथ संरचित बातचीत के माध्यम से बेहतर पर्यटक अनुभवों के लिए अपने कौशल और विचारों की पेशकश करने की सिफारिश की जाती है।

- स्कूल क्षेत्रों के आस-पास और आसपास के पर्यटन स्थलों को चुनना या अपनाना और उनकी पर्यटन महत्ता को बढ़ावा देने के लिए स्वयंसेवी और विचार निर्माण के माध्यम से अपनी सेवाएं प्रदान करना।

गतिविधियों का गठन (कक्षा 11)

- स्कूल के अंदर और बाहर पर्यटन क्लब से जुड़ी सभी गतिविधियों के संचालन और तैयारी की जिम्मेदारी लेना । इन गतिविधियों में जागरूकता, जुड़ाव, कार्यकलाप, चर्चा, सामुदायिक संपर्क और राशि जुटाने जैसे अन्य कई उद्देश्य शामिल हैं।
- जहां कहीं प्रासंगिक हो, यात्रा और पर्यटन को पाठ्यचर्या गतिविधियों में शामिल करने के लिए शिक्षकों और शिक्षार्थियों के साथ चर्चा शुरू करना।

- संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (यूएनएसडीजी) एजेंडा के अनुरूप सतत और जिम्मेदार पर्यटन आयोजित करने के लिए स्कूल के अंदर और बाहर प्रासंगिक हितधारकों के साथ संपर्क करना,
- पर्यटन यात्रा के दौरान शिक्षार्थियों/ सदस्यों के लिए स्थानीय संस्कृति और जीवन के तरीकों से संवाद करने, उनका मूल्यांकन करने और समझने के अवसर पैदा करना। संचालन वर्ग विभिन्न गतिविधियों पर छात्र निकाय की अनुमति और अनुमोदन मांगेगा, शिक्षार्थी सदस्य किसी विशेष पर्यटन स्थान से संबद्ध होंगे ।

- कम-ज्ञात पर्यटन स्थलों के लिए दिलचस्प यात्रा कार्यक्रम बनाना, छात्र सदस्यों में गहरे इतिहास की जिज्ञासा और रोमांच की भावना जागृत करना,

- संचालन कक्षा में बारहवीं कक्षा के छात्र निकाय द्वारा प्रशासित लोगों के विशिष्ट कार्य समूहों का ध्यान रखना,

    - **मीडिया और जनसंपर्क** - जहां शिक्षार्थी स्थानीय मीडिया को उस समुदाय से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी देंगे।
    - **सोशल मीडिया प्रबंधन** - जहां छात्र सोशल मीडिया की समीक्षा, रेटिंग और पर्यटन स्थलों के उल्लेखों की निगरानी करेंगे, समीक्षा के आधार पर प्रतिक्रिया प्रदान करेंगे और अनुभव को बेहतर बनाने के लिए प्रशासन को सूचित करेंगे ।
    - आवश्यकता पर आधारित अन्य कार्य समूह।

छात्र निकाय और पदाधिकारी (कक्षा 12)

- स्कूल की छुट्टियों, त्योहारों और अन्य को ध्यान में रखते हुए एक पर्यटन क्लब कार्यक्रम और कार्यक्रम कैलेंडर बनाना और कार्यान्वित करना ।
- अन्य क्लबों और स्कूल के प्रभारी शिक्षकों के साथ सम्पर्क रखना, जहां उनकी मदद की आवश्यकता हो सकती है।
- यदि गतिविधियों को दृष्टिकोण और पाठ्यक्रम से जोड़ा गया है, और यदि आवश्यक हो, तो आवश्यक सुधार करने के लिए नियमित रूप से मिलना और चर्चा करना। (संगठन संरचना के तहत भूमिकाओं और जिम्मेदारियों अनुभाग में आगे बताया गया है)

संगठन संरचना :

क. प्रस्तावित पदाधिकारी

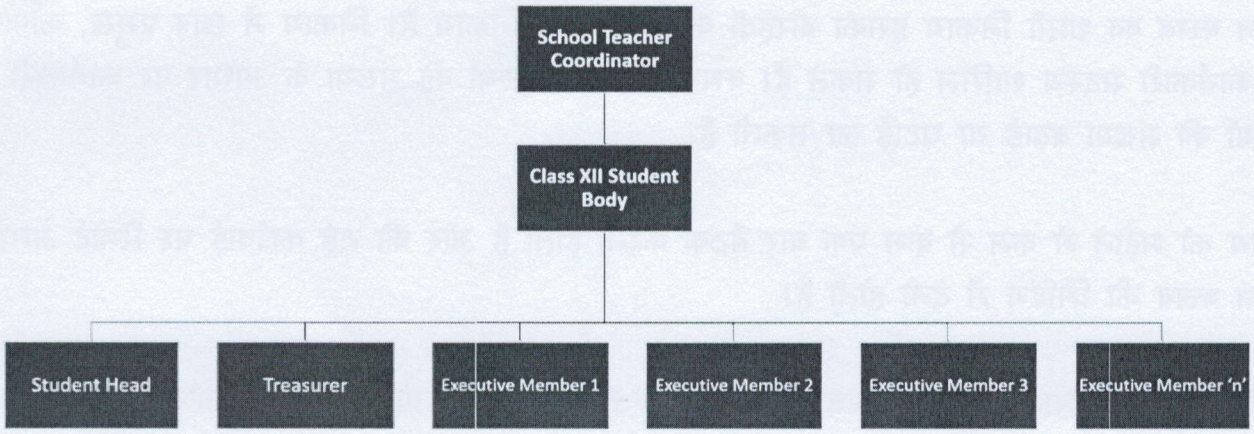

			स्कूल शिक्षक समन्वयक		
			बारहवीं कक्षा का छात्र निकाय		
छात्र प्रमुख	कोषाध्यक्ष	कार्यकारी सदस्य-1	कार्यकारी सदस्य-2	कार्यकारी सदस्य-3	कार्यकारी सदस्य-4

क. भूमिकाएं और जिम्मेदारियां :

स्कूल शिक्षक समन्वयक

स्कूल प्रबंधन द्वारा स्कूल में पर्यटन क्लब के लिए प्रमुख गतिविधियों का नेतृत्व करने के लिए स्कूल शिक्षक समन्वयक नियुक्त किया जाता है। वह कक्षा XII के छात्र निकाय को नियुक्त करता है और हर साल नियमित प्रक्रिया के माध्यम से निकाय के भीतर विशिष्ट भूमिकाएं प्रदान करता है।

उसे बारहवीं कक्षा के छात्र निकाय की सभी बैठकों में भाग लेना चाहिए और निकाय के छात्र प्रमुख के साथ चर्चा कर उनका मार्गदर्शन करना चाहिए।

बारहवीं कक्षा का छात्र निकाय :

पर्यटन क्लब का शासी निकाय इसका बारहवीं कक्षा का छात्र निकाय है। निकाय में छात्र प्रमुख, कोषाध्यक्ष और कार्यकारी सदस्य शामिल हो सकते हैं। क्लब में छात्र सदस्यों की संख्या के आधार पर कार्यकारी सदस्यों की संख्या बढ़ाई या घटाई जा सकती है।

निकाय को महीने में कम से कम एक बार बैठक करनी होती है और की गई कार्रवाई पर रिपोर्ट अगले पर्यटन क्लब की मिटिंग में देनी होती है।

अपनी बैठकों के दौरान, निकाय क्लब की योजनाओं और परियोजनाओं की समीक्षा और अनुमोदन करता है। स्कूल शिक्षक समन्वयक सलाह देते हैं और उन्हें बोर्ड की सभी बैठकों में भाग लेना चाहिए। क्लब के सदस्य पर्यवेक्षकों के रूप में इन बैठकों में भी शामिल हो सकते हैं।

सदस्यों को परियोजना के विचारों के बारे में सोचना चाहिए, क्लब के सदस्यों को भाग लेने और जिम्मेदारियों को सौंपने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। छात्र निकाय को एक वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने की आवश्यकता होती है जो पिछले वर्ष में की गई गतिविधियों के साथ प्रमुख कार्यों का वर्णन करती है। उन्हें मूल प्रति फाइल पर रखना चाहिए और एक प्रति जिला समन्वयक को भेजनी चाहिए।

छात्र प्रमुख :

छात्र प्रमुख की प्राथमिक भूमिका क्लब का नेतृत्व करना है, यह सुनिश्चित करती है कि यह प्रभावी ढंग से कार्य करे।

उसकी जिम्मेदारियों में शामिल हैं :

- पर्यटन क्लब के दृष्टिकोण और उद्देश्यों को समझें।
- क्लब के रिकॉर्ड की समीक्षा करने और वर्तमान गतिविधियों पर चर्चा करने के लिए निवर्तमान छात्र प्रमुख और छात्र निकाय से मिलें।
- अन्य अधिकारियों की रिपोर्ट और सदस्यों की शिकायतों के लिए पर्याप्त समय देकर क्या कवर किया जाएगा और कितने समय के लिए रूपरेखा तैयार करने वाला विस्तृत एजेंडा तैयार करके प्रभावी बैठकें आयोजित करें।
- क्लब की बैठकों के लिए रचनात्मक कार्यक्रमों की योजना पहले से बनाएं, वक्ताओं, पैनल चर्चाओं, यात्राओं और मनोरंजन की व्यवस्था करें जो रुचियों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए अपील करते हों।

- अन्य सदस्यों को उनके नेतृत्व कौशल को विकसित करने में मदद करने और विवरणों से अभिभूत होने से बचने के लिए जिम्मेदारी सौंपें।
- सदस्यों के कौशल और रुचियों की पहचान करें और क्लब परियोजनाओं में उनका उपयोग करें।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कार्य करें कि क्लब की गतिविधियों और सेवा परियोजनाओं का सफलतापूर्वक प्रचार और कार्यान्वयन हो।
- सदस्यता वृद्धि और विकास पर ध्यान दें और आयु और लिंग समूहों के बीच संतुलन बनाए रखें।
- स्कूल शिक्षक समन्वयक के साथ सक्रिय रूप से संवाद और सहयोग करें।

कोषाध्यक्ष :

निकाय का कोषाध्यक्ष सही-सही वित्तीय रिकॉर्ड रखता है। यह अधिकारी एक जिम्मेदार व्यक्ति होना चाहिए। उसकी जिम्मेदारियों में शामिल हैं :

- राशि जुटाने वाली परियोजनाओं से सभी आय जमा करें।
- बजट तैयार करने और प्रशासित करने का काम संभालना।
- एक मासिक रिपोर्ट तैयार करें जिसमें निम्नलिखित का सही-सही विवरण हो:
    - महीने की शुरुआत और अंत में उपलब्ध राशि,
    - आय को उसके स्रोत के साथ स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है,
    - भुगतान, क्यों और किसके लिए किया गया स्पष्ट रूप से दर्शाया जाए,

कोषाध्यक्ष को स्कूल प्रबंधन को उसी की एक प्रति भेजते समय गतिविधियों और प्रत्येक गतिविधियों पर खर्च किए गए बजट को सारांशित करने के लिए एक वर्ष के अंत की रिपोर्ट तैयार करनी होती है। निवर्तमान कोषाध्यक्ष को वर्ष के अंत की रिपोर्ट देनी चाहिए क्लब के सदस्य और आने वाले कोषाध्यक्ष सभी कोषाध्यक्षों की रिपोर्ट क्लब के स्थायी रिकॉर्ड का हिस्सा होती है।

कार्यकारी सदस्य :

कार्यकारी सदस्य क्लब को गतिविधियों और परियोजनाओं को पूरा करने में मदद करते हैं। स्कूल शिक्षक समन्वयक कार्यकारी सदस्यों को छात्र निकाय, संचालन वर्ग और उसके कार्य समूहों के बीच बातचीत का एकल बिंदु नियुक्त करता है। अतिरिक्त कार्यकारी सदस्यों को आवश्यकतानुसार नियुक्त किया जा सकता है।

कार्यकारी सदस्यों को योजनाओं और गतिविधियों पर चर्चा करने के लिए महीने में कम से कम एक बार बैठक करनी चाहिए और उन्हें छात्र प्रमुख के साथ साझा करना चाहिए। सभी कार्यकारी सदस्य गतिविधियां और खर्च छात्र निकाय के अनुमोदन के अधीन होती हैं।

क्लब को प्रभावी ढंग से काम करने में मदद करने के लिए उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी भी है।

उनकी जिम्मेदारियों में शामिल हैं :

1. क्लब के सभी रिकॉर्ड संधारण करना, जैसे:
   - सदस्यता
   - बैठकों का उपस्थिति रिकॉर्ड,
   - क्लब के बजट और रिपोर्ट आदि जैसे सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज।

2. बैठकों के कार्यवृत्त को रिकॉर्ड करें - एक बैठक में क्या कहा गया था और क्लब की सभी बैठकों में की गई कार्रवाई का एक स्पष्ट, संक्षिप्त लिखित रिकॉर्ड। कार्यवृत्तों में हर उस शब्द का विवरण नहीं होना चाहिए जो कहा गया था या निर्णय कैसे किए गए थे, लेकिन इन बिंदुओं को शामिल करना चाहिए:

- बैठक का प्रकार (छात्र निकाय या क्लब बैठक)
- दिनांक, समय और स्थान
- पीठासीन अधिकारी
- बैठक में उपस्थिति का रिकॉर्ड
- पिछली बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन और सुधार
- कोषाध्यक्ष का विवरण
- अधिकारियों की रिपोर्ट का सारांश
- कक्षा या कक्षाओं के संचालन में कार्य समूहों की रिपोर्ट का सारांश
- घोषणाएं ।

1. **प्रशासनिक और संपर्क कार्य** :

- संचालन वर्ग के किसी भी प्रश्न और जरूरतों के लिए संपर्क का एकल बिंदु होना।

- किसी क्लब सदस्य को सौंपें गए, प्रत्येक कार्य और गतिविधि की निगरानी करना ।
- यह सुनिश्चित करना कि क्लब के सभी सदस्य क्लब की गतिविधियों, आयोजनों और लक्ष्यों से परिचित हैं।
- वर्ष के लिए क्लब की बैठकों का कार्यक्रम निर्धारित करना।
- बैठक की तारीख, समय, स्थान और विषय देते हुए क्लब के सदस्यों को बैठक के बारे में लिखित रूप से सूचित करना, (उदाहरण के लिए, ई-मेल, या पत्र संदेश के माध्यम से) ।
- बैठकों के लिए एजेंडा तैयार करना और उनका पालन करना ।
- बैठकों में रिपोर्ट बनाने के लिए निर्धारित सदस्यों से संपर्क करें और पूछें कि क्या उन्हें अपनी रिपोर्ट तैयार करने में किसी सहायता की आवश्यकता है।
- सदस्यों से उनकी राय पूछें।
- सटीक रिकॉर्ड रखें, लेकिन अनावश्यक कागजी कार्रवाई से बचें।

वर्ष दो और उसके बाद से, कक्षा XI के इच्छुक सदस्य छात्र निकाय की स्थिति के लिए अपने नाम स्वेच्छा से देने में सक्षम होंगे, जब वे बारहवीं कक्षा में होते हुए भी कार्य करना चाहते हैं।

दसवीं कक्षा के छात्रों के लिए स्वयंसेवी नामों की अंतिम तिथि पर, छात्र निकाय पदों के लिए उम्मीदवारों का चयन मौजूदा बारहवीं कक्षा के छात्र निकाय और स्कूल शिक्षक समन्वयक द्वारा विशिष्ट भूमिकाओं के लिए उम्मीदवारों को चुनने के साथ सुनिश्चित करेगा।

चयनित उम्मीदवार नए शैक्षणिक वर्ष के पहले दिन छात्र प्रमुख, कोषाध्यक्ष और कार्यकारी सदस्य के रूप में पद ग्रहण करेंगे।

क्लब का संचालन :

1. अनिवार्य बैठकें :

क. बारहवीं कक्षा के छात्र निकाय को महीने में कम से कम एक बार बैठक करना आवश्यक है।

ख. कार्यकारी सदस्यों को महीने में कम से कम एक बार संचालन वर्ग के सदस्यों या संचालन वर्ग में विशिष्ट कार्य समूहों के सदस्यों के साथ अलग से बैठक करना आवश्यक है।

2. रिपोर्टिंग :

क. छात्र निकाय एक वार्षिक रिपोर्ट तैयार कर सकता है जिसमें वर्ष भर की गई गतिविधियों के साथ की

गई प्रमुख कार्रवाइयों का वर्णन किया गया हो।

ख. कोषाध्यक्ष को स्कूल प्रबंधन को उसी की एक प्रति भेजते समय गतिविधियों और प्रत्येक गतिविधि पर खर्च किए गए बजट को सारांशित करने के लिए वर्ष के अंत की रिपोर्ट तैयार करने की आवश्यकता होती है।

क्लब की सुझाई गई गतिविधियां :

पुस्तिका का यह भाग क्लब द्वारा की जा सकने वाली संभावित गतिविधियों के लिए सुझाव देता है। यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि यह सूची अपने आप में संपूर्ण नहीं है। देश भर के स्कूलों विभिन्न संदर्भों और कामकाज को ध्यान में रखने के लिए, हमने सूची को खुला रखा है और किसी विशेष स्कूल के संदर्भ और काम करने के लिए अनुकूलन संभव है।

साथ ही, हम अलग-अलग स्कूलों और अन्य हितधारकों के सुझावों का स्वागत करते हैं कि पर्यटन क्लब निम्नलिखित विचारों और विषयों की सूची से आगे क्या कुछ अलग से कर सकता है।

गतिविधियों की प्रस्तावित सूची :

- प्रख्यात विद्वानों और विशेषज्ञों द्वारा वार्ता/ व्याख्यान की व्यवस्था करना।
- पर्यटन मंत्रालय द्वारा प्रदान की जाने वाली शैक्षिक सामग्री पर प्रस्तुतियां, नोटिस बोर्ड और प्रदर्शनियां।
- भारतीय पर्यटन, संस्कृति और विरासत से संबंधित विषयों पर वाद-विवाद और संवाद का आयोजन।
- भारतीय पर्यटन और विरासत पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित करना।
- संरक्षण कार्य के लिए परियोजनाएं, स्कूल के आस पास ऐतिहासिक स्मारकों और अन्य पर्यटन स्थलों को अपनाना।
- पर्यटन पर पत्र मित्र (पेन फ्रेंड्स) योजना (अंतरराज्यीय वैचारिक साझाकरण) और उनका प्रत्येक राज्य पर्यटन के लिए क्या क्या प्रस्तुत करता है।
- स्थानीय शहर/ कस्बों में स्थानीय शिल्प, भोजन, पर्यटन स्थलों और अनुभवों की खोज में पद यात्रा करना ।
- प्रकृतिक स्थलों / स्थानीय पार्कों, जैव विविधता के क्षेत्रों और कृषि स्थलों की यात्रा करना।
- छात्रों को अपने पर्यटन के विचार में शामिल करना और शहर / शहर में मौजूदा पर्यटक अनुभवों पर

प्रतिक्रियाओं का आदान- प्रदान करना।

- स्कूल में क्लब द्वारा 'टूरिज्म आइडियाथॉन्स' स्थापित किए जा सकते हैं - जहां छात्रों को अपने इलाके और दर्शकों के संदर्भ में नए पर्यटक अनुभवों के लिए विचारों के साथ आने और कभी-कभी इससे आगे भी के लिए रचनात्मक रूप से चुनौती दी जाती है ।
- स्कूल में पर्यटन स्टॉल की स्थापना जहां छात्र अपने साथी छात्रों को शहर/कस्बे में पर्यटन के अनुभवों का विपणन और प्रचार-प्रसार कर सकें।
- प्रत्येक सप्ताह के एक विशेष दिन को पर्यटन यात्रा दिवस के रूप में आवंटित करना, प्रत्येक सप्ताह को एक विशेष पर्यटन विषय जैसे साहसिक, आध्यात्मिक, प्रकृति, वन्य जीवन, विरासत, आदि के साथ मैपिंग किया जा सकता है। इसमें जो छात्र रुचि रखते हैं वे उस विशेष दिन पर स्कूल परिवहन प्रणाली पर आते हैं और हर हफ्ते किसी खास लोकेशन पर जाने का समय उस विषय के अनुरूप है। यह नियमित पर्यटन के अवसर पैदा करता है और उस विशेष दिन पर स्कूल में आनंद, सीखने और मैत्रीपूर्ण तत्वों को भी जोड़ता है।

स्कूल के बाहर यात्राओं/ परियोजनाओं के लिए गतिविधियों की प्रस्तावित सूची :

- स्थानीय स्मारकों और एतिहासिक स्थलों का अध्ययन करने के लिए एक परियोजना शुरू करना।
- एक विशिष्ट पर्यटन स्थल/अनुभव को अपनाना और उनके डिजिटल प्रचार, विपणन प्रयासों और अन्य क्षेत्रों का प्रभार लेना जहां ऐसे पर्यटक अनुभव की कमी है।
- नए गठजोड़ और साझेदारियों को शुरू करना और उनका नेतृत्व करना। उदाहरण के लिए, सीखने और करने के माध्यम से एक शैक्षिक पर्यटन यात्रा के लिए 'सहपीडिया' के साथ अध्ययन।
- क्लब द्वारा इसमें सीबीएसई और 'यूनेस्को' द्वारा अनिवार्य विश्व विरासत स्वयं सेवकों जैसी परियोजनाओं को भी शामिल किया जा सकता है।
- छात्रों का अंतरराज्यीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान, जहां छात्र दूसरे राज्य/ संघ शासित प्रदेश में अपने राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र की अनूठी पर्यटन पेशकशें और कहानियां प्रस्तुत कर सकते हैं।

उन विषयों की प्रस्तावित सूची जिन्हें क्लब कवर कर सकता है और छात्र सदस्यों को बता सकता है। :

- पर्यटन और आतिथ्य में करियर
- पर्यटन का महत्व
- गरीबी से उत्थान के रूप में पर्यटन
- पर्यटन के पर्यावरणीय प्रभाव

- पुनर्योजी और सतत पर्यटन
- पर्यटन में मीडिया और पत्रकारिता की भूमिका
- हम यात्रा क्यों करते हैं इसके पीछे का मनोविज्ञान
- पर्यटन और सामाजिक उद्यमिता
- पर्यटन का विकास
- भविष्य का पर्यटन: प्रौद्योगिकी का एकीकरण
- वीआर, एआर, एमआर : पर्यटन में मेटावर्स
- विशेष स्थानों, केस स्टडी, या प्रेरक कहानियों पर विशिष्ट स्पॉटलाइट।

आयोजनों और सभाओं की प्रस्तावित सूची :

- सरकारी स्कूल के छात्रों, अन्य स्कूलों के छात्रों और समुदाय के लिए ऑडियो-विजुअल कार्यक्रमों की व्यवस्था करना।
- आसपास के अन्य स्कूलों के क्लबों के साथ समन्वय करके पर्यटन स्थलों में आकस्मिक बैठकें करना।
- स्थानीय पर्यटन अनुभव के लिए यात्राओं की व्यवस्था करना जो मज़ेदार और सुरक्षित हों।
- पर्यटन के इर्द-गिर्द राज्य और राष्ट्रीय कार्यक्रमों और त्योहारों के लिए निर्देशित यात्राएं।

दिशा-निर्देश :

1. छात्रों के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाना :

    - जिला युवा सुरक्षा नीति विकसित और लागू करें, जिसमें भेदभाव, शारीरिक शोषण, यौन शोषण, भावनात्मक शोषण, उत्पीड़न, जिला नेताओं के साथ दुर्व्यवहार और/या स्थानीय कानून प्रवर्तन के आरोपों की रिपोर्ट करने के लिए दिशानिर्देश शामिल हैं।

    - आपातकालीन सेवा और स्थानीय चिकित्सा जानकारी, साथ ही 24 घंटे आपातकालीन जिला "हॉटलाइन" नंबर शामिल करें।

    - बैठकों, फील्ड ट्रिप, गतिविधियों और परियोजनाओं के लिए वयस्क पर्यवेक्षक का साथ रहना भी सुनिश्चित करें।

2. माता-पिता की अनुमति और समर्थन :

- शिक्षक समन्वयक के पास स्कूल के भीतर आयोजित सभी कार्यक्रमों और गतिविधियों के पर्यवेक्षण और नियंत्रण की जिम्मेदारी है, जिसमें उनके स्थानीय समुदाय के बाहर यात्रा करना या रात भर रुकना शामिल है। जानकारी माता-पिता को संप्रेषित की जानी चाहिए और उनकी अनुमति भी ली जानी चाहिए।
- जब छात्र अपने गृह राज्य से बाहर या अपने देश से बाहर यात्रा कर रहे हों, तो प्रत्येक छात्र के माता-पिता और कानूनी अभिभावकों की लिखित अनुमति/ अनुमोदन लेना आवश्यक है।

*****